Dr. Kumari Priyanka

History department

H.D Jain college, ara

Notes for B.A part 3, paper 6

Topic:–हेस्टिंग्स के सुधार (Reforms of Hastings)

लॉर्ड हेस्टिंग्स का शासनकाल अग्रगामी विदेश नीति के अतिरिक्त आंतरिक सुधारों के लिए उल्लेखनीय है। उसने कॉर्नवालिस द्वारा स्थापित व्यवस्था की बुराइयों को दूर करने का प्रयास किया।

भू-व्यवस्था में सुधार - लॉर्ड हेस्टिंगस का एक प्रमुख कार्य पंजाब एवं आगरा प्रांतों में प्रचलित भूमि बंदोबस्त-व्यवस्था में सुधार लाना था। बंगाल में स्थापित भूमि के स्थायी प्रबंध के आधार पर पंजाब और आगरा में भी हेस्टिंग्स स्थायी भू-व्यवस्था को लागू करना चाहता था। परंतु, कंपनी के निदेशक इस पक्ष में नहीं थे। इसलिए, हेस्टिंग्स ने इन प्रांतों में महालवाड़ी भू-व्यवस्था लागू की। पंजाब में यह व्यवस्था पहले से ही संशोधित रूप में लागू थी। इसे निश्चित आधार प्रदान किया गया। आगरा में 30 वर्षों के लिए लगान निश्चित कर दिया गया। किसानों से लगान वसूल कर सरकारी खजाने में जमा करवाने की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान को सौंपी गई। बंगाल में प्रचलित भूमि-व्यवस्था में भी आवश्यक सुधार किए गए। मद्रास और बंबई में भी भूमि-व्यवस्था में सुधार हुए।५स्तिविक सीमा अत्यंत साम्राज्य बहुत विस्तृत माना है, तो कुछ ने अत्यं दोनों के बीच है। डॉ राधाकुमुद मुखर्जी के विचारानुसार, हर्ष के साम्राज्य अंतर्गत सीधे नियंत्रणवाले क्षेत्र बहुत कम थे; परंतु उसके **न्यायिक सुधार** - हेस्टिंग्स ने कॉर्नवालिस द्वारा स्थापित न्याय-व्यवस्था में भी सुधार किया। दीवानी अदालतों की कार्य-प्रणाली अब सरल बना दी गई। भारतीय न्यायिक पदाधिकारियों के वेतन में वृद्धि की गई। कलक्टरों को पुनः न्यायिक अधिकार प्रदान किया गया। कॉर्नवालिस की विधि-संहिता में भी आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया गया।

शैक्षणिक एवं प्रेस-संबंधी सुधार- शिक्षा के विकास के लिए लॉर्ड हेस्टिंग्स ने अनेक प्राइमरी स्कूलों की स्थापना करवाई। कलकत्ता के निकट अनेक वर्नाक्यूलर स्कूल स्थापित किए गए। कलकत्ता में एक कॉलेज भी स्थापित किया गया जहाँ अँगरेजी भाषा की पढ़ाई पर बल दिया गया। हेस्टिंग्स के समय में ही समाचारपत्रों पर लगे अनेक प्रतिबंधों को हटाया गया तथा उन्हें पर्याप्त स्वंत्रता प्रदान की गई।

1823 ई० में हेस्टिंग्स त्यागपत्र देकर वापस चला गया। 10 वर्षों की अल्पावधि में ही हेस्टिंग्स ने भारत में ब्रिटिश सत्ता की जड़ें सुदृढ़ कर दीं, नेपाल को अँगरेजों के प्रभाव में ले लिया गया तथा मराठों की शक्ति नष्ट कर दी गई। भारतीय राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभाने के गौरव से मराठे वंचित कर दिए गए। आंतरिक व्यवस्था में भी हेस्टिंग्स ने आवश्यक सुधार किए। हेस्टिंग्स ने वस्तुतः भारत में

कॉर्नवालिस और वेलेस्ली के कार्यों को आगे बढ़ाया तथा बेटिक और डलहौजी के कार्यों को आधार प्रदान किया